हिंदी दैनिक

उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 223 कानपुर, बुधवार 10 अगस्त 2022 पृष्ठ :4 मूल्य : 2 रूपये

■ **फुटकर दुकानदारों से ही खरीदे गिफ्ट-मिठाई, सपा ने व्यापारियों संग चलाया अभियान**

पीएम मोदी के पास 2.23 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति, गांधीनगर की जमीन की दान

संपत्ति के बारे में अपने नवीनतम खुलासे के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास 2.23 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है, जो ज्यादातर बैंक जमा के रूप में है। लेकिन उनके पास कोई अचल संपत्ति नहीं है क्योंकि उन्होंने गांधीनगर में जमीन के एक टुकड़े में अपना हिस्सा दान कर दिया है। उनके पास किसी भी बॉन्ड, शेयर या म्यूचुअल फंड में कोई निवेश नहीं है। उनके पास कोई वाहन नहीं है, लेकिन 31 मार्च तक उनकी घोषणा के अनुसार, उनके पास 1.73 लाख रुपये मूल्य की चार सोने की अंगूठियां हैं। मोदी की चल संपत्ति में एक साल से 26. 13 लाख रुपये की वृद्धि हुई है। लेकिन अब उनके पास अचल संपत्ति नहीं है, जो 31 मार्च, 2021 तक 1.1 करोड़ रुपये की थी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की वेबसाइट पर अपलोड किए गए विवरण के अनुसार, 31 मार्च 2022 तक उनकी कुल संपत्ति 2,23,82,504 रुपये थी। तीन अन्य मालिकों के साथ संयुक्त रूप से उनके पास आवासीय भूखंड, जिनमें से प्रत्येक का समान हिस्सा था, अक्टूबर 2002 में उनके द्वारा खरीदा गया था जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। नवीनतम अपडेट में कहा गया है कि अचल संपत्ति सर्वेक्षण संख्या 401/ए संयुक्त रूप से तीन अन्य संयुक्त मालिकों के साथ है और प्रत्येक के पास 25 प्रतिशत की बराबर हिस्सेदारी है, अब इसे दान कर दिया गया है। 31 मार्च 2022 को प्रधानमंत्री के पास नकदी 35,250 रुपये थी और डाकघर के साथ उनके राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र 9,05,105 रुपये के थे और जीवन बीमा पॉलिसियों की कीमत

1,89,305 रुपये थी। 31 मार्च 2022 तक प्रधानमंत्री के कैबिनेट सहयोगियों में से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पास 2.54 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 2.97 करोड़ की अचल संपत्ति है। सभी 29 कैबिनेट मंत्रियों में से जिन्होंने अपनी और पिछले वित्त वर्ष के लिए उनके आश्रितों की संपत्ति घोषित की है, उनमें धर्मेंद्र प्रधान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आर के सिंह, हरदीप सिंह पुरी, पुरुषोत्तम रूपाला और जी किशन रेड्डी शामिल हैं। पिछले वित्त वर्ष में कैबिनेट मंत्री रहे मुख्तार अब्बास नकवी ने भी अपनी संपत्ति घोषित की है।

शिंदे कैबिनेट में शामिल हुए 18 मंत्री, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

महाराष्ट्र सरकार की एकनाथ शिंदे कैबिनेट का मंगलवार को विस्तार हो गया। कैबिनेट में 18 मंत्रियों को शामिल किया गया है। इसमें शिंदे गुट व भाजपा खेमे से नौ–नौ मंत्रियों को राज्यपाल ने शपथ दिलाई। सांसद सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र कैबिनेट में एक भी महिला को शामिल न किए जाने पर एकनाथ शिंदे सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, महिलाओं को आरक्षण देने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य था। दुर्भाग्य की बात है कि राज्य मंत्रिमंडल में 18 मंत्रियों में एक भी महिला को शामिल नहीं किया गया है। देश में 50 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है, लेकिन इस कैबिनेट में उनका प्रतिनिधित्व नहीं है। यह भाजपा की मानसिकता को दर्शाता है। महाराष्ट्र की नई कैबिनेट को प्रधानमंत्री मोदी ने बधाई

दी। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी लोगों को बधाई। यह टीम प्रशासनिक अनुभव और सुशासन देने के जुनून का एक बड़ा मिश्रण है।

राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए उन्हें मेरी शुभकामनाएं। शिंदे कैबिनेट में मुंबई भाजपा अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढ़ा को भी शामिल किया जा सकता है। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, उम्मीद है कि मुझे कुछ जिम्मेदारी दी जाएगी। मैं प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, जेपी नड्डा और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को धन्यवाद देना चाहता हूं कि मुझे महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने का मौका मिलेगा। मुझे लगता है कि मुझे राज्य मंत्रिमंडल में जगह मिलेगी।

दिल्ली सरकार ने शहर में 500 तिरंगे लगाने का लक्ष्य किया पूरा– केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को 500वां विशाल तिरंगा फहराया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सभी लोगों को भारत को विश्व का नंबर एक देश बनाने का संकल्प करना चाहिए । केजरीवाल सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में 500 विशाल तिरंगे लगाने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि भारत के बाद स्वतंत्रता प्राप्त करने वाले कई देशों ने हमें पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, हमारे पास सबकुछ है। हमारे पास दुनिया में सबसे बुद्धिमान एवं सबसे मेहनती लोग हैं लेकिन हम पिछड़ गए हैं। सरकार की कल्याणकारी योजना को मुफ्तखोरी कहने वालों की एक बार फिर निंदा करते हुए उन्होंने कहा, कुछ लोगों को यह कहता सुनकर काफी दुख होता है कि मुफ्त शिक्षा बंद होनी चाहिए। वे इसे मुफ्तखोरी बताते हुए कह रहे हैं कि गरीबों को सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा नहीं मिलनी चाहिए। मुझे समझ

नहीं आता कि मुफ्तखोरी और मुफ्त की रेवड़ी क्या होती है। अगर सरकारी स्कूल बंद कर दिए तो हमारे देश में 70 से 80 प्रतिशत बच्चे अनपढ़ रह जाएंगे। बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल तथा रोजगार को मौलिक अधिकार माना जाना चाहिए और इसे मुफ्तखोरी नहीं कहा जाना चाहिए। मयूर विहार में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद और वंदे मातरम के नारों से की। उन्होंने कहा, एक साल पहले, हमने दिल्ली में कई सारे तिरंगे लगाने का फैसला किया था ताकि दिल्लीवासी कहीं भी जाएं तो कम से कम उन्हें उनके आसपास एक तिरंगा दिखे। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि लोग दिन में तीन से चार बार तिरंगा देखें।उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में अब 500 राष्ट्रीय ध्वज लगा दिए हैं। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस मौके पर दिल्ली में 500 राष्ट्रीय ध्वज लगाने के सपने को साकार करने वाले इंजीनियर और ठेकेदारों का शुक्रिया अदा किया।

सीएम योगी बोले– जाति, धर्म और क्षेत्र में बंटकर देश को कमजोर न होने दें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश की एकता और अखंडता के लिए सभी देशवासियों से एकजुट होने की अपील की है। आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर काकोरी के शहीद मंदिर में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने प्रदेशवासियों से आजादी का अमृत महोत्सव पूरे जोश और उल्लास के साथ हर घर तिरंगा फहराकर मनाने के लिए कहा। इस मौके पर उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन की याद में डाक टिकट का अनावरण किया। संस्कृति विभाग के रेडियो जयघोष का शुभारंभ करने के साथ ही उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, क्रांतिकारियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ ही विधायक जयदेवी, आशुतोष टंडन और महेंद्र सिंह मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ही के दिन क्रांतिकारियों ने काकोरी की प्रसिद्ध घटना को अंजाम दिया था। तमाम अत्याचारों के बावजूद देश के वीरों को विदेशी ताकतें रोक नहीं सकी थीं। उत्तर प्रदेश की इस पावन धरती पर 1857 की आजादी की पहली लड़ाई शुरू हुई। मंगल पांडेय ने मेरठ तो रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी झांसी नहीं दूंगी, कहकर अंग्रेजों को ललकारा।

काकोरी ट्रेन एक्शन, गोरखपुर में चौरी–चौरा कांड देश को आजाद कराने के लिए हुए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में सरदार वल्लभ भाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह जैसे वीरों की वजह

से देश आजाद हुआ। आज देश आजादी का महोत्सव मना रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले 25 साल का लक्ष्य तय करें कि वे देश को किस रूप में देखना चाहते हैं। जब हम आजादी की सौंवीं वर्षगांठ मना रहे होंगे तब वो भारत हमारे सामने होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना अंग्रेजों के लिए कितनी बड़ी चुनौती थी इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि महज 4679 रुपए के लिए उन्होंने उस समय 10 लाख रुपए से ज्यादा की राशि खर्च की।

अंग्रेजों भारत छोड़ो के दिन बीजेपी भगाओ की शुरुआत, बिहार पर अखिलेश यादव का तंज

बिहार में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। अखिलेश ने बिहार में एनडीए गठबंधन टूटने को बढ़िया शुरुआत कहा है। अखिलेश ने कहा कि अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे वाले दिन बिहार से बीजेपी भगाओ का नारा आ आया। यह अच्छी शुरुआत है। बता दें कि बिहार में बीजेपी–जेडीयू का गठबंधन टूट गया है और नीतीश कुमार ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। नीतीश अब महागठबंधन के साथ मिलकर सरकार बना सकते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि अलग–अलग राज्यों में राजनीतिक पार्टियां और जनता जल्द बीजेपी के खिलाफ खड़ी होगी। अभी तक बीजेपी सरकारों को तोड़ती रही है। विधायकों को खरीद कर सरकारें बनाती रही है। बिहार के लोगों ने बीजेपी को बड़ा सबक सिखाया है। चुनी हुई सरकार को तोड़ने वाली बीजेपी को उसी के अंदाज में बिहार से जवाब मिला है। बिहार में नीतीश कुमार भाजपा का साथ छोड़ने के बाद राजद, कांग्रेस और वाम दलों के साथ मिलकर सरकार बनाएंगे। एनडीए से नीतीश के रिश्ता तोड़ने को 2024 के लोकसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि नीतीश 2024 में विपक्ष का चेहरा होंगे। फिलहाल बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम पर पूरे देश की नजरें हैं।

वेंकैया नायडू ने फ्री कल्चर को लेकर किया आगाह, बोले- इसने कई राज्यों की वित्तीय स्थिति खराब कर दी

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा वोट हासिल करने के लिए लोकलुभावन तरीकों के खिलाफ आगाह किया। नायडू ने कहा कि फ्री कल्चर ने कई राज्यों की वित्तीय स्थिति खराब कर दी है। उन्होंने कहा कि सरकार को गरीबों और जरूरतमंदों का सपोर्ट जरूर करना चाहिए लेकिन इसके साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी की पृष्ठभूमि में आई है। पीएम मोदी ने वोट पाने के लिए रेवड़ी कल्चर अपनाने वालों के प्रति लोगों को आगाह किया था। उन्होंने कहा था कि यह देश के विकास के लिए खतरनाक हो सकता है। नायडू ने इंटरनेट और सोशल मीडिया के विस्तार के कारण तत्काल पत्रकारिता की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण पत्रकारिता के मानदंडों और लोकाचार के क्षरण पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने मीडिया रिपोर्टिंग में तटस्थता और निष्पक्षता के महत्व पर जोर दिया

और कहा कि समाचारों को विचारों के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए।

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है और भारत के लोकतांत्रिक लोकाचार के अस्तित्व के लिए इसकी तटस्थता और निष्पक्षता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नागरिक केंद्रित और उत्तरदायी शासन के लिए लोगों और सरकारों के बीच निरंतर संवाद की आवश्यकता है।

नायडू ने कहा कि नीति निर्माण और क्रियान्वयन दोतरफा प्रक्रिया होनी चाहिए जिसमें हर स्तर पर लोगों की भागीदारी हो।

2018 और 2019 बैच के भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए नायडू ने सरकारों और नागरिकों के बीच की खाई को पाटने में संचार की भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि लोगों को उनकी मातृभाषा में सरकार की नीतियों और पहलों के बारे में समय पर जानकारी देकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने की जरूरत है। उपराष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक उन्होंने कहा, सरकारों को भी लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं से एक उद्देश्य और समयबद्ध तरीके से अवगत कराने की जरूरत है।

सम्पादकीय

विलुप्त चीतों की वापसी

दुनिया में सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर चीता है, लेकिन बमुश्किल ही किसी ने चीते को अपनी आंखों से दौड़ते हुए देखा होगा, क्योंकि भारत में अब चीते बचे ही नहीं हैं. चीते 74 साल पहले ही हमारे देश से विलुप्त हो चुके थे और तब से यह जानवर भारत में सिर्फ किताबों में रह गया है. एशिया में फिलहाल सिर्फ ईरान में ही चीते पाये जाते हैं, लेकिन अब 74 साल बाद एक बार फिर से भारत में चीतों की वापसी हो रही है. भारत और अफ्रीकी देश नामीबिया ने हाल ही में इस संबंध में एक समझौता किया है. दुनियाभर में इस समय करीब सात हजार चीते ही बचे हैं और उनमें से आधे अकेले नामीबिया में पाये जाते हैं. नामीबिया ने भारत को मुफ्त में आठ चीतों को देने पर रजामंदी दे दी है. भारत को इन चीतों को लाने का, यानी सिर्फ आवागमन का खर्च उठाना है. इन चीतों को भारत में एक विशेष जहाज से लाया जायेगा. उल्लेखनीय है कि यह चीतों का पहला ऐसा हस्तांतरण है, जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप के बीच होगा. इसी महीने 15 अगस्त से पहले मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में आठ चीते फर्राटा भरते हुए दिखायी देंगे. इनमें से चार नर और चार मादा चीते हैं. जनवरी, 2022 में चीतों की वापसी का एक मास्टर प्लान मोदी सरकार ने तैयार किया था और इसके तहत अगले पांच साल में कुल 30 चीते भारत में लाये जाने की योजना है. सात वर्ष पहले भारतीय वन्यजीव संस्थान ने चीतों के पुनर्वास के लिए 260 करोड़ रुपये की लागत की योजना बनायी थी.

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की 19वीं बैठक में कार्ययोजना की घोषणा की गयी थी. मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में सबसे तेज दौड़ने वाले जानवर के स्वागत की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. कुनो राष्ट्रीय उद्यान में बड़ी संख्या में नीलगाय, जंगली सूअर, चीतल तथा अन्य पशु हैं. मांसाहारी जानवरों में तेंदुआ और लकड़बग्घा ही हैं. ऐसे में आगंतुक चीतों के लिए समुचित आहार की उपलब्धता रहेगी. एक वैज्ञानिक अनुमान के मुताबिक, चीते 50 लाख वर्ष से धरती पर मौजूद हैं तथा पहली बार इन्हें भारत में ही देखा गया था.

चीता शब्द की उत्पत्ति भी संस्कृत शब्द शचित्राकाश से हुई है, जिसका हिंदी में मतलब होता है, चितकबरा या धब्बेदार. लेकिन यह हमारे देश के लिए एक विडंबना ही मानी जानी चाहिए कि कई दशकों से भारत में एक भी चीता मौजूद नहीं है. आजादी से पहले भारत में बड़ी संख्या में चीते पाये जाते थे, लेकिन फिर इनकी आबादी धीरे धीरे घटती चली गयी. इसकी सबसे बड़ी वजह राजाओं–महाराजाओं का बेहिसाब शिकार का शौक और नकली वीरता के प्रदर्शन की होड़ थी. जनता के बीच खुद को बहादुर दिखाने के लिए जंगल में सबसे ज्यादा शेरों, बाघों और चीतों का शिकार किया जाता था तथा अपनी नकली वीरता को सभी के सामने प्रदर्शित किया जाता था. उस जमाने में राजाओं–महाराजाओं के चाटुकार और दरबारी भी उनकी झूठी वीरता का बखान किया करते थे एवं उनके बारे में लिखा करते थे. वर्ष 1948 में सरगुजा रियासत के महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव ने छत्तीसगढ़ के जंगलों में भारत के आखिरी बचे तीन चीतों का शिकार किया था. इसके बाद भारत में कभी कोई चीता नहीं देखा गया. वर्ष 1952 में सरकार ने भारत में चीतों के खत्म होने की आधिकारिक घोषणा कर दी. भारत में शिकार के अलावा चीतों को पालने का भी चलन है क्योंकि शेर और बाघ की तुलना में चीता कम हिंसक होता है, इसलिए उसे पालतू बनाना आसान है. दुनिया में पहली बार चीतों को पालने का चलन भी भारत में ही शुरू हुआ था. इतिहास में पहली बार चीता पालने का सबूत संस्कृत ग्रंथ श्मानसोल्लासश में मिलता है, जो छठी शताब्दी में लिखा गया था. कहा जाता है कि मुगल शासक अकबर के समय में भी 10 हजार से ज्यादा चीते पले हुए थे, और इनमें से करीब एक हजार चीते उनके दरबार में थे. इन्हें शिकार के लिए प्रशिक्षित किया जाता था. मुगल बादशाह जहांगीर ने भी अपनी जीवनी "तुजुक–ए–जहांगीरीश में कैद में रखी गयी एक मादा चीता द्वारा शावक को जन्म देने का एक किस्सा बताया है. पहले राजा और जमींदार फिर अंग्रेजों के जमाने में भी चीतों के शिकार और उनके पालतू बनाने का प्रचलन जारी रहा.

उल्लेखनीय है कि 18वीं शताब्दी में एक प्रशिक्षित चीते की कीमत 15 से 20 हजार रूपये तक होती थी, जबकि जंगल से पकड़ कर लाये गये चीते की कीमत 10 हजार रूपये के आस पास होती थी. वर्ष 1880 में पहली बार भारत में एक चीते के हमले में किसी इंसान की जान जाने का सबूत मिलता है. तब विशाखापट्टनम के तत्कालीन गवर्नर के एजेंट ओबी इरविन शिकार के दौरान चीते के एक हमले में मारे गये थे. चीता विजयानगरम के राजा का पालतू था. इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने चीते को हिंसक जानवर घोषित कर दिया तथा चीते को मारने वालों को बाद में इनाम दिया जाने लगा.

विशेषज्ञ कहते हैं कि चीते 20वीं शताब्दी की शुरुआत तक बेहद कम हो गये क्योंकि चीते राजाओं–महाराजाओं के शिकार और ब्रिटिश साम्राज्य के शौकिया खेलों की भेंट चढ़ चुके थे. साल 1918 से 1945 के बीच राजा–महाराजा एवं ब्रिटिश अधिकारी अफ्रीका से ही चीते मंगवाकर उन्हें शिकार के लिए इस्तेमाल किया करते थे.

उदय समाचार

दैनिक

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।

संपादक

उदय कुशवाहा

Title Code - UPHIN49938

नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा।

विश्व जैव ईंधन दिवस – 10 अगस्त

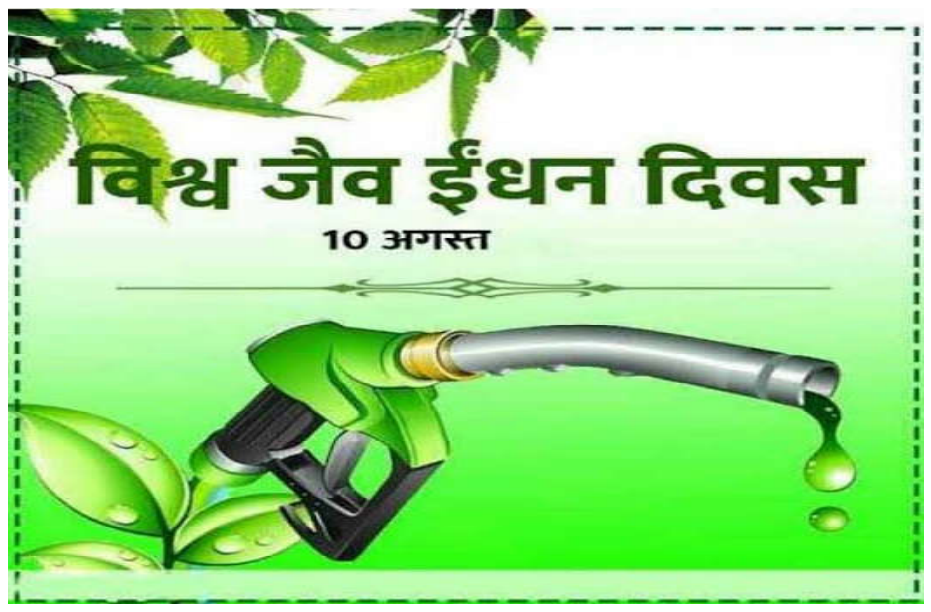

जीवन के सभी क्षेत्रों में स्थिरता की आवश्यकता केवल इसलिए बढ़ी है क्योंकि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव विनाशकारी पारिस्थितिक असंतुलन और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में प्रकट होते हैं। नतीजतन, जिस तरह से मनुष्य जैव ईंधन का उपभोग करते हैं, उसका भविष्य पर, मुख्य रूप से पर्यावरण पर स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। विश्व जैव ईंधन दिवस हर साल 10 अगस्त को अपरंपरागत जीवाश्म ईंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है जो पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में काम कर सकता है। विश्व जैव ईंधन दिवस 10 अगस्त को डीजल इंजन बनाने वाले सर रूडोल्फ डीजल की याद में मनाया जाता है। 8 अगस्त, 1893 को, सर डीजल ने पहली बार एक यांत्रिक इंजन चलाने के लिए मूंगफली के तेल का सफलतापूर्वक उपयोग किया। इसके साथ, वह इस संभावना का पूर्वाभास करने में सक्षम थे कि आने वाली शताब्दी में जीवाश्म ईंधन को वनस्पति तेल द्वारा ऊर्जा के व्यावहारिक स्रोत के रूप में प्रतिस्थापित किया जा सकता है। इस उपलब्धि को मनाने के लिए, विश्व जैव ईंधन दिवस मनाने के लिए तिथि का चयन किया गया था और 2015 से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा मनाया जा रहा है। जैव ईंधन पर्यावरण के अनुकूल ईंधन हैं जिनका उपयोग कार्बन उत्सर्जन को कम करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। वे सतत विकास का पुरजोर समर्थन करते हैं क्योंकि वे बायोमास संसाधनों का उपयोग करके उत्पादित किए जाते हैं जो नवीकरणीय हैं। नतीजतन, जैव ईंधन पर्यावरण को खतरे में डाले बिना 21वीं सदी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। जैव ईंधन के लाभों में कच्चे तेल पर घटती निर्भरता, पर्यावरण में सुधार, ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक रोजगार और आय का सृजन शामिल हैं। यह भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को ऊर्जा प्रदान करेगा और आर्थिक विस्तार के कारण परिवहन ईंधन की बढ़ती मांग को पूरा करेगा।

तेलंगाना में भाजपा नेता ज्ञानेंद्र प्रसाद की संदिग्ध मौत, पेंटहाउस के कमरे में पंखे से लटके पाए गए

तेलंगाना में भाजपा प्रदेश इकाई के एक नेता ज्ञानेंद्र प्रसाद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है. मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा की तेलंगाना इकाई के एक नेता ने सोमवार को यहां अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. पुलिस के मुताबिक सेरलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य ज्ञानेंद्र प्रसाद (45) अपने पेंटहाउस के एक कमरे में पंखे से लटके पाए गए. उनके निजी सहायक ने इस बात की सूचना पुलिस को दी. भाजपा नेता के आत्महत्या करने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है.

सहायक को दी थी परेशान न करने की हिदायत

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि एक महीने पहले एक दुर्घटना में ज्ञानेंद्र प्रसाद के पैर में फ्रैक्चर हो गया था. पुलिस के मुताबिक आज सुबह ज्ञानेंद्र प्रसाद ने अपने निजी सहायक से कहा कि वह उसे परेशान न करें, क्योंकि वह सोने जा रहे हैं.

बाद में जब सहायक उन्हें नाश्ता देने कमरे में गया और दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं आया. इसके बाद निजी सहायक ने कमरे की खिड़की के शीशे तोड़े, तो प्रसाद को मृत पाया. पुलिस ने भाजपा नेता के परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है.

कुछ दिनों से पेंटहाउस में ही रह रहे थे ज्ञानेंद्र प्रसाद

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि घटना का पता चलते ही तुरंत एक टीम को मौके पर भेजा गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि एक व्यक्ति ने अपने आवास में पंखे से फांसी लगाकर जान दे दी है. उसकी आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन वह पिछले कुछ दिनों से अपने पेंटहाउस में रह रहा था. उसकी पहचान भाजपा नेता ज्ञानेंद्र प्रसाद के रूप में की गई है.

मामले की जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने शव को पंखे से खोलकर नीचे उतारा और फिर बाद में शव को स्थानीय अस्पताल भेजा गया है. जानकारी के मुताबिक, ज्ञानेंद्र प्रसाद के शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल (पीएमई) भेज दिया गया है.

इस मामले में अज्ञात के खिलाफ धारा 174 सीआरपीसी के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस ने बताया कि आगे की जांच चल रही है.

टीआरएस नेता कविता का केंद्र सरकार पर हमला, कहा- योजनाओं को मुफ्त कहना बंद करें, ये गरीबों का अपमान है

भारत की अधिकांश आबादी गरीब है. हर सरकार गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाती है. लेकिन केंद्र सरकार इन योजनाओं को मुफ्त बताकर गरीबों का अपमान करती है. तेलंगाना में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की विधान परिषद सदस्य कल्वकुंतला कविता ने मंगलवार को यह बात कही. उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार माहौल बना रही है कि गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं मुफ्त है. मैं केंद्र की मोदी सरकार से अनुरोध करती हूं कि कल्याणकारी योजनाओं को मुफ्त न कहें.

मोदी सरकार ने पूंजीपतियों को मुफ्त में दिए करोड़ों रुपये- कविता

के कविता ने आगे कहा, आज के दिन में मुफ्त कुछ भी नहीं. यह गरीबों का अपमान है. वास्तव में, केंद्र सरकार ने 10 लाख करोड़ रुपये की छूट बैंक को लूटने वाले कॉर्पोरेट लोगों के लिए घोषित की थी. गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं उनके स्वास्थ्य, खेती और बच्चों की शिक्षा के लिए हैं और ये मुफ्त नहीं है.

गरीबों का अपमान करना बंद करो, ये मुफ्तखोरी नहीं

टीआरएस नेता ने कहा कि गरीबों की योजनाओं के माध्यम से सहायता करना सरकार की जिम्मेदारी है. इसे मुफ्त बताकर गरीबों का अपमान करना न्याय उचित नहीं है.

इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार से आह्वान करते हुए कहा, केंद्र सरकार सभी राज्य सरकरों की कल्याणकारी योजनाओं का समर्थन करें, यदि उनका समर्थन नहीं करना चहाते तों उन्हें स्वतंत्रता दें ताकि वे अपनी योजनाओं को जारी रख सकें.

मोदी सरकरा पर लगाया गंभीर आरोप

कविता ने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि, उनका राज्य सरकारों के प्रति रवैया निंदनिय है.

आज मोदी सरकार कई राज्य सरकारों पर अंकुश लगाकर मजबूर करने की कोशिश कर रही है. इससे गरीबों की मदद में रुकावट होगी. बता दें कि के कविता भारतीय जनता पार्टी को हर मुद्दे पर घेरती नजर आती हैं. उन्होंने पूर्व में भी महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है.

चिराग पासवान ने की बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग, कहा नीतीश ने दोबारा किया जनादेश का अपमान

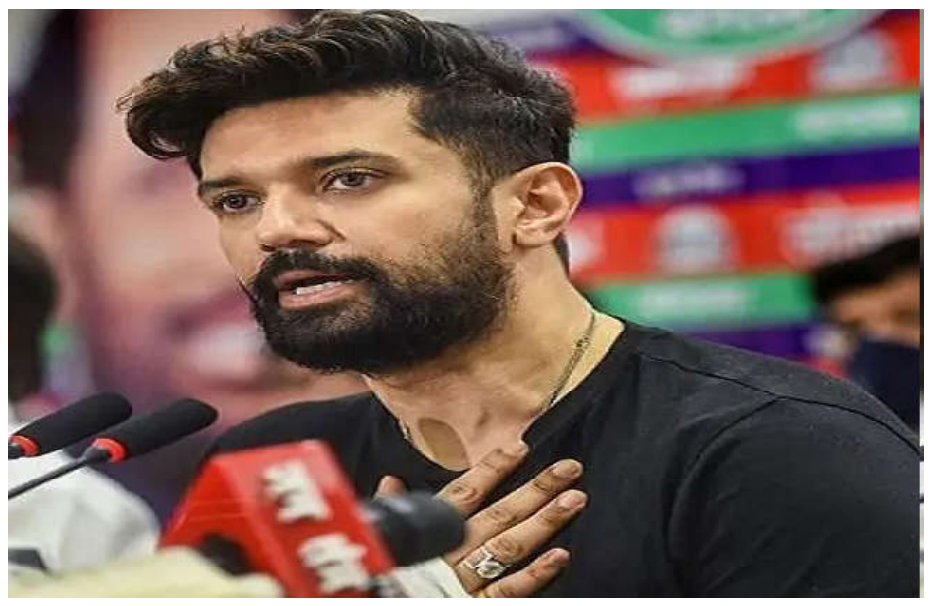

लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के नेता चिराग पासवान ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से नाता तोड़कर और बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने पर नीतीश कुमार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया है कि उन्होंने दूसरी बार राज्य की जनता द्वारा दिए गए जनादेश का अपमान किया है. चिराग पासवान ने बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने और नए सिरे से चुनाव कराए जाने की मांग भी कर दी है.

भाजपा के समर्थन में आए चिराग

बिहार में नीतीश के इस्तीफे के बाद तेज हुई राजनीतिक हलचल के बीच चिराग पासवान अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन में आ गए और उन्होंने कहा कि भगवा दल ने वह सब स्वीकार किया जो मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार चाहते थे. उन्होंने कहा कि यहां तक कि भाजपा ने उनके लिए अपनी नीतियों तक से समझौता कर लिया.

नीतीश कुमार ने एक बार फिर जनादेश का अपमान किया

चिराग पासवान ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा की, ''नीतीश कुमार ने एक बार फिर जनादेश का अपमान किया है. उन्होंने जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खो दी है...यह मजाक है क्या? एक बार आप किसी के साथ सरकार बनाते हो और दूसरी बार किसी और के साथ.

राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

चिराग पासवान ने यह भी कहा की, ''मैं राज्यपाल से आग्रह करूंगा कि वह राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने की अनुशंसा करें. नए जनादेश के लिए विधानसभा चुनाव कराया जाना चाहिए.

चिराग पासवान से जब ताजा राजनीतिक परिस्थितियों में उनकी क्या भूमिका पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा की, ''इस बारे में मैंने कोई फैसला नहीं किया है

7 सितंबर से 3500 किलोमीटर लंबी 'भारत जोड़ो' यात्रा शुरू करेगी कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी की 'भारत जोड़ो' यात्रा गांधी जयंती (2 अक्टूबर) से नहीं, 7 सितंबर से शुरू होगी. कांग्रेस ने मंगलवार को यह जानकारी दी.

कहा गया कि पार्टी की प्रस्तावित 'भारत जोड़ो' यात्रा अब 7 सितंबर से शुरू होगी. यात्रा कन्याकुमारी से शुरू होकर कश्मीर में समाप्त होगी. पार्टी ने उदयपुर संकल्प शिविर में दो अक्टूबर से यह यात्रा निकालने का फैसला किया था.

जयराम रमेश ने जारी किया बयान

कुछ सप्ताह पहले पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में यह राय बनी थी कि देश की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए यात्रा तय तिथि से पहले निकाली जाये. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, '80 साल पहले आज ही के दिन, महात्मा गांधी के नेतृत्व और प्रेरणा से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 'भारत छोड़ो' आंदोलन शुरू किया था, जिसने पांच साल बाद हमारे देश को आजादी दिलायी. आज कांग्रेस 7 सितंबर, 2022 से अपनी कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो' यात्रा शुरू करने की घोषणा करती है.'

150 दिन में संपन्न होगी 3500 किलोमीटर की यात्रा

उन्होंने बताया, 'यह पदयात्रा 12 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों से होकर निकलेगी. 3,500 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए यह पदयात्रा लगभग 150 दिनों में संपन्न होगी. राहुल गांधी सहित पार्टी के नेतागण और कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे.' रमेश ने कहा, 'कांग्रेस उन सभी से इस 'भारत जोड़ो' यात्रा में शामिल होने की अपील करती है, जो भय, कट्टरता और पूर्वाग्रह की राजनीति तथा आजीविका विनाशक आर्थिक नीति, बढ़ती बेरोजगारी और पैर पसारती असमानताओं की परिस्थितियों को बदलने का विकल्प प्रदान करने के इस विशाल राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा बनना चाहते हैं.'

फुटकर दुकानदारों से ही खरीदे गिफ्ट-मिठाई, सपा ने व्यापारियों संग चलाया अभियान

कानपुर । समाजवादी पार्टी और उत्तर प्रदेश प्रांतीय व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारियों ने बर्रा–8, सब्जी मंडी बाजार में खुदरा व्यापारियों व दुकानदारों के समर्थन में दुकानदारों से खरीदों अभियान चलाया। आमजन को जागरूक करके ऑनलाइन नहीं करने का आव्हान किया गया। इस दौरान हर घर तिरंगा अभियान के तहत दुकानदारों और घरो में राष्ट्रीय ध्वज भी बांटा गया। अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि इस रक्षाबंधन और त्योहारी सीजन में भाई एवं बहन एक –दूसरे के लिए मिठाई और उपहार ऑनलाइन न खरीदकर दुकानदार से ही खरीदें। इससे उनका व्यापार आगे बढ़ेगा और लूट–खसोट भी कम होगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान शहर के सभी बाजारों में चलाया जाएगा ताकि फुटकर दुकानदारों एवं व्यापारियों का समर्थन किया जा सके। अपील करते वक्त सभी दुकानदारों को सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश के मुताबिक तिरंगा भी बांटा गया। साथ ही आज से 15 अगस्त तक अपने घरों और दुकानों में तिरंगा फहराने की भी अपील की गई। अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि हर दुकानदार सरकार को टैक्स देने के अलावा कम से कम दो से दस लोगों को रोजगार भी देता है। इसलिए इनका त्योहार भी सुंदर बनवाइए और ऑनलाइन की जगह इनकी दुकान से हो सामान खरीदिए। महंगाई, ऑनलाइन मार्केटिंग एवं प्रतिकूल नीतियों की वजह से पहले ही दुकानदार परेशान हैं।

अगस्त क्रांति के अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष ने निकाली तिरंगा यात्रा

कानपुर । मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के नेतृत्व में आज उनके कैंप कार्यालय लाल बंगला से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा शहर के हरजिंदर नगर मंडल होते हुए रामादेव मंडल पर खत्म हुई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने आजादी का जश्न मनाने की अपील की। अगस्त क्रांति के अवसर पर निकाली गई तिरंगा यात्रा में विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना सहित कई भाजपा नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। जहां–जहां से यह तिरंगा यात्रा निकली, लोगों ने पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया। इस दौरान रास्ते भर देशभक्ति के गीत बजते रहे। लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करते हुए देश की आजादी के 75 साल पूरे होने पर इस जश्न को जोर–शोर से बनाने का आह्वान किया गया। साथ ही लोगों को तिरंगे भी वितरित किए गए। भारत के इतिहास में 9 अगस्त को अगस्त क्रांति के रूप में जाना जाता है। देश को आजादी दिलाने के लिए कई छोटे–बड़े आंदोलन किए गए। अंग्रेजों को भारत से भगाने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन के रूप में आजादी की अपनी आखिरी लड़ाई लडने का ऐलान किया था।

जिसे आज अगस्त क्रांति के नाम से जाना जाता है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले भारत छोड़ो आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने का काम किया था। यह वह आंदोलन था जिसमें पूरे देश की व्यापक भागीदारी रही थी।

ब्लॉक प्रमुख ने कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र में किया टूल किट का वितरण

कानपुर । नरवल के पुरवामीर स्थित रामकली इकबाल बहादुर ग्रुप ऑफ कॉलेज में हाई–टेक सोसायटी द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को टूल किट दी गई। इसमें विद्यार्थियों को किताबें बैग इत्यादि प्रदान किया गया। मंगलवार को हाई–टेक सोसायटी द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र पुरवामीर में सरसौल ब्लॉक प्रमुख के द्वारा विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म, बैग, हैंडबुक और किताबों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आई ब्लॉक प्रमुख डॉ विजया रत्ना ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित करके शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को टूल किट वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रोहित

सिंह ने बताया कि ब्लॉक प्रमुख की उपस्थिति में ड्रेस एवं पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि कौशल विकास मिशन के तहत दिए जाने वाला प्रशिक्षण निश्चित तौर पर जीवन को नई दिशा में ले जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे सृजनात्मक क्षमताओं का विकास होता है और अन्य लोगों को भी रोजगार दिया जा सकता है। सुमित कुमार अध्यापक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के नेतृत्व में चलाई जा रही इस मिशन के तहत राज्य के उन सभी बेरोजगार युवक और युवतियों को ऐसे प्रशिक्षण दिलानें में प्रावधान कर रही है। जिससे राज्य के युवा अपने पैरों पर खड़े हो सके और स्वावलंबी बन सके।

नगर निगम ने थमाया अपार्टमेंट खाली करने का नोटिस, फुटपाथ पर रखा लोगों का सामान

कानपुर । रतनलालनगर में दीप वाटिका 4 मंजिला अपार्टमेंट को नगर निगम जर्जर घोषित कर चुका है। अब निगम ने लोगों को घर खाली करने का नोटिस भी थमा दिया है। अपार्टमेंट गिरने के डर से लोग फ्लैट छोड़कर जाने को तैयार भी हैं। सोमवार को लोगों ने घर खाली करके अपना सामान फुटपाथ पर रख दिया। कई लोग किराए के मकान में शिफ्ट हो रहे हैं। इस अपार्टमेंट में 12 परिवार रहते थे। 19 साल पहले अपार्टमेंट का निर्माण किया गया था। केडीए के रिकॉर्ड में बिल्डिंग का नक्शा पास मिला है। अब केडीए इस बात की जांच करेगा कि नक्शे के मुताबिक निर्माण किया गया है या नहीं। वहीं प्राइवेट इंजीनियरों की जांच में पाया गया है कि फांउडेशन के नीचे की मिट्ट्टी बियरिंग कैपेसिटी और स्ट्रक्चरल डिजाइन ठीक न होने की वजह से पिलर क्रैक हो रहे हैं और नीचे धंस रहे हैं। अधिकारियों से रिक्वेस्ट के बाद बिल्डर ने पिलर को सपोर्ट देने का काम फिर से शुरू कर दिया है। मंडे रात तक पिलर को बल्लियों और ईंट के पिलर से सपोर्ट देने का काम चलता रहा। वहीं अपार्टमेंट पूरी तरह खाली किया जा चुका है। क्योंकि अपार्टमेंट एक ओर झुक गया है, ऐसे में इसके गिरने का खतरा मंडराने लगा है। बता दें कि 6 अगस्त की रात को अपार्टमेंट के पिलर धंसना शुरू हो गए थे। इस अपार्टमेंट के गिरने की आशंकाओं ने यहां रहने वालों को तोड़कर रख दिया है। इस अपार्टमेंट में रहने वाले शिव कुमार ने बताया कि 2 महीने पहले ही फ्लैट खरीदा

मुख्य सेविकाओं को चार महीने से नहीं मिला वेतन

सीएम को पत्र भेज की भुगतान कराने की मांग

कानपुर । नरवल के बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की मुख्य सेविकाओं ने वेतन ना मिलने पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया गया। इसके बाद जिलाध्यक्ष मंजू रानी की अध्यक्षता में सीएम के नाम का ज्ञापन डीएम को सौंपा। डीएम विशाख जी अय्यर ने मुख्य सेविकाओं को मांग पत्र शासन तक भेजने का आश्वासन दिया। मंजू रानू कुशवाहा ने बताया कि मुख्य सेविकाओं को अप्रैल से वेतन का भुगतान नहीं किया गया, जबकि अधिकांश मुख्य सेविकाओं से चार कर्मियों के बराबर का काम लिया जा रहा है। मुख्य सेविकाएं एक दिन में 5 से 8 केन्द्रों की जियो टैगिंग कर रही हैं। जिसके लिए उन्हें प्रतिदिन पांच सौ से एक हजार रुपये तक धनराशि व्यय करनी पड़ रही है। उसके बाद भी एक ही केन्द्र की 4–4 बार जियो टैगिंग करनी पड़ती है। मुख्य सेविकाओं को कोई टीए भी नहीं मिलता है। इसके बाद भी मुख्य सेविकाओं को समय से वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है। हमेशा 2 से 3 महीने बाद ही वेतन का भुगतान किया जाता है, जिस कारण मुख्य सेविकाओं को आर्थिक कठिनाइयों से जूझना पड़ रहा है। स्कूल की फीस समय से जमा ना करने के कारण स्कूल से बच्चों का नाम काटने का नोटिस दिया जा रहा है। बैंक में समय से लोन की किश्त ना भरने पर ब्याज भरना पड़ता है। 15 अगस्त तक वेतन ना मिलने पर मुख्य सेविकाओं ने कार्य बहिष्कार की धमकी दी है।

बैजनाथ धाम में हुआ बाबा का भव्य श्रृंगार, रात्रि जागरण में उमड़ी भक्तों की भीड़

कानपुर । घाटमपुर तहसील क्षेत्र के पतारा कस्बा स्थित बाबा बैजनाथ धाम मंदिर में सावन के आखिरी सोमवार को बाबा का भव्य श्रृंगार हुआ। इस दौरान यहां पर रात्रि जागरण का भी आयोजन किया गया। जहां पर कलाकारों ने अपना प्रदर्शन दिखाया, वीर बजरंगी की झांकी ने भक्तों का मन मोह। इस दौरान यहां पर आसपास गांव के सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। कानपुर – सागर राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर पतारा कस्बा के पुलिस चौकी रोड पर स्थित बाबा बैजनाथ धाम मंदिर में सावन के अंतिम सोमवार को भक्तों के द्वारा मंदिर परिसर में रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। पतारा कस्बा निवासी शिवनारायण बाजपेई, हेतनारायण त्रिवेदी, पुतान सिंह, लक्ष्मण सिंह, राकेश तिवारी, छोटू पाठक, कुलदीप

बाजपेई, दीपू शुक्ला, गुड्डू शुक्ला, सोनू पाठक,रामजी गुप्ता व राहुलपाल मोनू पाल ने बताया कि सावन के प्रत्येक सोमवार को यहां पर भक्तों के द्वारा बाबा का भव्य श्रृंगार कराया जाता है। सावन के आखिरी सोमवार को यहां पर रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। जिसमे जागरण पार्टी के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। जागरण में बजरंगी हनुमान, राधा कृष्ण की मनमोहक झांकी, शिव तांडव, आदि झाकियां प्रस्तुत की गई। इस दौरान बजरंगी हनुमान और राधा कृष्ण की मनमोहक झांकी ने भक्तों का मन मोहा। मंदिर परिसर में आसपास से आए सैकड़ों संख्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौजूद रही।

चोरों ने दो घरों को बनाया निशाना, लाखों की चोरी की घटना को दिया अंजाम

कानपुर । घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के राठिगांव गांव में बीती देर रात दो घरों को चोरों ने अपना निशाना बनाया है। यहां पर चोर दरवाजे का ताला तोड़कर घर के अंदर दाखिल हुए। घर के अंदर रखी अलमारी और बक्शे का ताला तोड़कर उसमें रखे लाखों के कीमती जेवरात चोरी कर ले गए हैं। सुबह जब आंख खुली तो घर का दरवाजा खुला था। कमरे के अंदर समान बिखरा पड़ा था। डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के राठिगांव निवासी प्रमोद साहू ने बताया कि वह पोस्ट ऑफिस की ड्यूटी करते हैं। मंगलवार दोपहर घाटमपुर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर प्रमोद साहू ने बताया कि कल पोस्ट ऑफिस के काम से उन्नाव गए हुए थे, वापस घर लौटने पर घर पर चोरी की जानकारी हुई। चंद्रपाल साहू ने पुलिस को बताया कि घर पर उनकी पत्नी अकेले थी। जो घर की छत पर लेटी हुई थी। देर रात दरवाजे का कुंडा तोड़कर चोर घर के अंदर दाखिल हो गए। घर के अंदर बने कमरे में रखी अलमारी और बक्शे का लॉक तोड़कर उसमें रखे लाखों के कीमत के जेवरात अपने साथ चोरी कर ले गए। चोरों ने यहां चोरी करने के बाद पड़ोस में रहने वाले चंद्रपाल के यहां पर चोरी की है। चंद्रपाल दुरौली स्थित एक पेट्रोल पंप में नौकरी करते हैं। चंद्रपाल ने बताया कि घर पर उनके पिता संतपाल थे, जो घर के बाहर बने बरामदे में लेते हुए थे। चोर दरवाजे का ताला तोड़कर घर के अंदर घुसे यहां पर दूसरी मंजिल में बने कमरे के अंदर रख्खी अटैची व बक्शा का ताला तोड़कर उसमें रख्खे जेवरात चोरी कर ले गए है। पीड़ित ने घाटमपुर पुलिस से

मामले की शिकायत की है। मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच कर रही है। मामले में घाटमपुर सीओ तेज बहादुर सिंह ने बताया कि जानकारी मिली है। घटना की जांच की जा रही है। जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा।

शहादत की याद में निकाला गया मुहर्रम जुलूस, जार–जार रोये अजादार

कानपुर । जनपद के घाटमपुर में मोहर्रम जुलूस शहादत की याद में निकाला गया वही जुलूस में अजादार जार जार रोए। आपको बता दें कि मोहर्रम का महीना इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना होता है. ये महीना शिया और सुन्नी मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है. जिले के मनेर में मुहर्रम को लेकर जुलूस व ताजिया निकाली गई. कर्बला में शहीद हुए इमाम हसन हुसैन की याद में ताजिया जुलूस निकाली गई. गाजे–बाजे के साथ जुलूस ताजिया निकाली गई. वहीं, इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रही । इस्लाम धर्म की मान्यताओं के अनुसार, करीब 1400 साल पहले अशुरा के दिन इमाम हुसैन का कर्बला की लड़ाई में सिर कलम कर दिया था और उनकी याद में इस दिन जुलूस और ताजिया निकालने की रिवायत है. अशुरा के दिन तैमूरी रिवायत को मानने

वाले मुसलमान रोजा–नमाज के साथ इस दिन ताजियों–अखाड़ों को दफन या ठंडा कर शोक मनाते हैं । आशूरा के दिन इस्लाम धर्म में शिया समुदाय के लोग ताजिया निकालते हैं और मातम मनाते हैं. इराक में हजरत इमाम हुसैन का मकबरा है, उसी मकबरे की तरह का ताजिया बनाया जाता है और जुलूस निकाला जाता है । वही घाटमपुर के पतारा चौकी क्षेत्र के जहांगीराबाद में शांति पूर्वक त्यौहार मनाया गया इस दौरान घाटमपुर सीओ तेजबहादुर प्रताप सिंह साथ में घाटमपुर इंस्पेक्टर एस के सिंह एसएसआई कमलेश मौके पर रहे व पहुंचकर पूरे गांव में पैदल गस्त किया और शांति पूर्वक त्यौहार मनाया गया । इस दौरान पत्र चौकी प्रभारी विनीत मिश्रा, मुस्तकीम अली ,खलीफा बदरुद्दीन, यूनुस अली आजम अली मुकर्रम अली, छुट्टन, आरिफ मोहम्मद जाकिर अली कमरुद्दीन समसुद्दीन निजामुद्दीन सद्दाम निजामी आदि लोग मौजूद रहे।

रक्षाबंधन कब है? जानें सही डेट, शुभ मुहूर्त, इस त्योहार से जुड़ी मान्यताएं और इतिहास

इस वर्ष रक्षा बंधन 11 और 12 अगस्त को पड़ रहा है. द्रिक पंचांग के अनुसार सावन पूर्णिमा तिथि 11 अगस्त को सुबह 10रू38 बजे शुरू होगी और 12 अगस्त 2022 को सुबह 07:05 बजे समाप्त होगी. चूंकि इस बार सावन पूर्णिमा के साथ ही भद्रा भी पहले भाग के दौरान प्रबल है, ऐसे में भद्रा के समाप्त होने के बाद ही भाई–बहन राखी बांध सकते हैं. भद्रा रात 08रू51 बजे समाप्त हो रही है. इसलिए राखी बांधने का सबसे अच्छा मुहूर्त गुरुवार 11 अगस्त की शाम से शुरू होकर शुक्रवार 12 अगस्त तक रहेगा. द्रिक पंचांग के अनुसार भाई–बहन रात 08:51 बजे से रात 09:13 बजे तक राखी बांध सकते हैं. इसके अलावा 12 अगस्त को भद्रा नहीं है. हालांकि पूर्णिमा सुबह 07:16 बजे तक ही रहेगी. साथ ही राखी का पर्व भद्रा पंच के समय भी मनाया जा सकता है, जो 11 अगस्त को सायं 05रू17 से सायं 06:18 तक रहेगा.

रक्षा बंधन पौराणिक कथा

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार महाभारत में गलती से सुदर्शन चक्र से भगवान कृष्ण की उंगली कट गई थी. यह देख राजकुमारी द्रौपदी ने उंगली से बहते खून को रोकने के लिए कपड़े का एक टुकड़ा बांध दिया. भगवान कृष्ण द्रौपदी की भावनाओं से बहुत प्रभावित हुए और बदले में, दुनिया की सभी बुराइयों से उसकी रक्षा करने का वादा किया. द्रौपदी के चीरहरण के दौरान, जब कौरवों ने उसे शर्मसार करने और नीचा दिखाने की कोशिश की, तो भगवान कृष्ण ने उन्हें अपमान से बचाकर अपना वादा निभाया.

भाई के माथे पर तिलक लगा कर बहनें बांधती हैं राखी

रक्षाबंधन के दिन बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगा कर, कलाई पर राखी बांधती हैं. मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराती

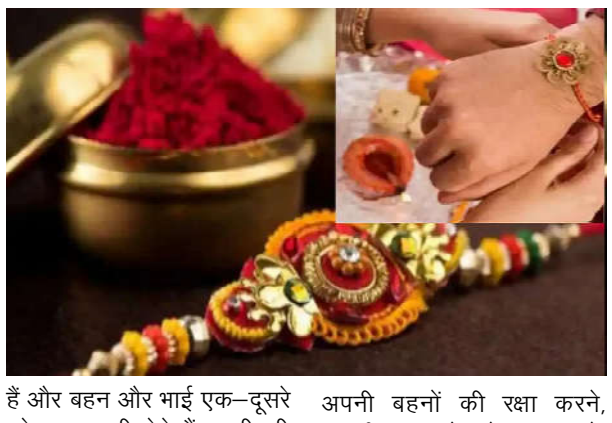

हैं और बहन और भाई एक–दूसरे को उपहार भी देते हैं. राखी की रस्म भाई–बहनों के बीच के बंधन को दिखाता है. इसके अतिरिक्त राखी बांधवा कर भाई अपनी बहनों की रक्षा करने, उनकी इच्छाओं को पूरा करने, आशीर्वाद देने और उनके जीवन के हर परेशानी में उनका साथ देने का वादा करते हैं.

महिला सीएचओ का फंदे से लटकता मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

उन्नाव । शहर के एबीनगर मोहल्ले में किराए का कमरा लेकर रह रही महिला कम्यूनिटी हेल्थ आफिसर (सीएचओ) का घर के कमरे में फंदे से शव लटकता मिला। मंगेतर ने उन्हें जिला अस्पताल की आपातकालीन विंग में पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर कोतवाली दरोगा नरेंद्र प्रताप ने जांच के बाद मंगलवार सुबह शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लखनऊ थाना आशियाना के बंगला बाजार रविखंड के रहने वाले सतीश कुमार वर्मा की छब्बीस वर्षीय बेटी सुनिधी वर्मा मौजूदा समय उन्नाव के सिकंदरपुर सरोसी ब्लाक में कम्यूनिटी हेल्थ आफिसर के पद पर कार्यरत थीं। सुनिधी की लखनऊ थाना पारा मोहान रोड के रहने वाले सचिन पुत्र हरिश्चंद्र से दस जनवरी को शादी तय हो गई थी। मंगेतर सचिन लखनऊ में आईएएस की कोचिंग कर रहा है। शहर के एबीनगर मोहल्ला के रहने वाले प्रेम प्रकाश राय के घर पर सुनिधी किराए का कमरा लेकर रह रही थी। पांच माह से सचिन भी सुनिधी के साथ रह रहा था। आज घर में कमरे में संदिग्ध हालत में दुपट्टे के फंदे से सुनिधी के लटकता मिलने पर हड़कंप मच गया।

जानकारी पर मकान मालकिन को हुई तो उसने आनन फानन उसे फंदे से उतरवा कर सुनिधी वर्मा के मंगेतर सचिन को सूचना दी। सचिन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचा। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सचिन शव को लेकर घर चला आया और परिजनों को सूचना दी। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की है।

पेड़ पर लटकता मिला किसान का शव, परिजनों में मचा कोहराम

महोबा । जिले में जैतपुर ब्लॉक के बछेछर खुर्द गांव में एक किसान का शव बबूल के पेड़ पर साड़ी के फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। बछेछर खुर्द निवासी अशोक यादव (55) खेती किसानी का काम करता था। उसका शव फांसी पर लटकता मिला। मृतक के पुत्र कल्याण ने बताया कि पिता खाना खाकर गांव में घूमने निकल गए थे। रात में घर न आने पर खोजबीन की। इसी दौरान घर के पीछे खेत में फांसी के फंदे से लटके मिले। उसने बताया पिता शराब के लती थे। मृतक की पत्नी सरोज मायके में अपने बच्चो के साथ 20 वर्षों से रह रही है।

सरोज के कोई भाई न होने से पिता दीनदयाल ने अपनी जायजाद का कुछ हिस्सा बेटी को दिया है। मृतक अशोक का ससुराल आना–जाना था। मृतक के दो बच्चे हैं। पुत्री निशी की शादी 18 मई 2022 को हुई थी और पुत्र कल्याण सिंह कक्षा 9 में पढ़ता है। अशोक की मौत से पत्नी, बच्चों सहित परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

महापुरुषों की पालिका ने उतरवाई होर्डिंग्स, हिंदू जागरण मंच का बीच सड़क पर धरना

उन्नाव । देश में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव को लेकर प्रदेश सरकार ने भी हर घर तिरंगा अभियान में तेजी लाने के साथ ही प्रदेश वासियों से अपील कर रही है। उन्नाव में भी हिन्दू जागरण मंच ने इस अभियान की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए आगे आया। शहर भर में कई महापुरुषों की चौराहे, प्रमुख मार्गों पर होर्डिंग लगवाई। आज सुबह पालिका के कर्मियों ने होर्डिंग उतार कर कूड़ा गाड़ी में ले जाकर महापुरुषों का अपमान किया है। जिसके विरोध में बीच सड़क पर हिजमा ने प्रदर्शन शुरू कर पालिका मुर्दाबाद के नारे लगाए हैं। उन्नाव में आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर हर घर तिरंगा अभियान में जिला प्रशासन ने 7 लाख से अधिक तिरंगा झंडा लगाने का लक्ष्य

निर्धारित किया है। इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए उन्नाव वासियों से प्रशासन ने अपील भी की है। हिंदू जागरण मंच के प्रांतीय प्रभारी विमल द्विवेदी ने अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए उन्नाव वासियों से उन्होंने भी अपील की। अमृत महोत्सव मनाने के लिए शहर के बड़ा चौराहा, छोटा चौराहा, जिला अस्पताल रोड, आवास विकास, हरदोई पुल, गदन खेड़ा बाईपास, गांधी नगर तिराहा समेत दर्जनों स्थानों पर होर्डिंग्स में महापुरुषों की फोटो लगवा कर लोगों को अमृत महोत्सव के प्रति प्रेरित करने का काम किया। लेकिन यह बात प्रशासन को नागवार गुजरी। उन्होंने नगर पालिका उन्नाव के ईओ को शहर में लगी सभी होर्डिंग्स को उतारने का आदेश दे दिया। इसके बाद आज सुबह से ही कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों में सभी होर्डिंग्स को उतरवाकर कबाड़ में भेज दिया।

इसकी जानकारी मिलने पर ही हिंदू जागरण मंच के प्रांतीय प्रभारी विमल द्विवेदी समेत उनके तमाम कार्यकर्ता जिला अस्पताल रोड पहुंचकर पालिका प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। यही नहीं पालिका की गाड़ी के नीचे भी लेट गए। पुलिस प्रशासन पहुंचा है, लेकिन हिजमा के कार्यकर्ता पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाए हैं कि महापुरुषों का सम्मान नहीं अपमान किया जा रहा है बर्दाश्त नहीं होगा।

पुलिस ने तीन बकरी चोरों को किया गिरफ्तार, तीन बकरियां बरामद

औरैया । बिधूना कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने तीन बकरी चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की तीन बकरियां बरामद हुई हैं। पीड़ित ने थाने में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। चोर पीड़ित के गांव के ही रहने वाले हैं। मामला कोतवाली क्षेत्र के रामपुर वामपुर गांव का है। यहां के निवासी शिक्षामित्र मनोज कुमार बकरी पालन भी करता है। बीती रात करीब 12 बजे गांव के ही तीन लड़कों ने मिलकर उसकी तीन बकरियों की चोरी कर ली। बकरियों की चोरी की आहट लगते ही मनोज ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सके साथ ही खुद चोरों का पीछा करने लगा। चोर बकरियां लेकर अछल्दा की ओर भागने लगे। नेविलगंज कस्बा में अछल्दा पुलिस गश्त कर रही थी। पुलिस को देख चोरों ने अन्हैया नदी पुल के नीचे बकरियों को बांध दिया। शक होने पर पुलिस ने रोककर पूछताछ शुरू कर दी। इसी समय पीछे से पीड़ित मनोज परिजनों के साथ पहुंच गया। बकरियों के चोरी होने की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने बकरियों को कब्जे में लेकर चोरों को हिरासत में ले लिया। जानकारी के बाद चोर और बकरियों को बिधूना पुलिस को सौंप दिया। मनोज ने बताया कि रात में आहट लगी तो वह उठ गया।

बाहर आकर देखा तो उसकी बकरियां गायब थीं। रात में ही उसने घटना की जानकारी पुलिस को दी। साथ ही परिजनों के साथ चोरों का पीछा करने लगा। नेविलगंज में पुलिस ने चोरों को पकड़ लिया और बकरियों को बंधवा लिया। कोतवाल जीवाराम ने बताया कि बकरी चोर पकड़े गए हैं। बकरियां भी बरामद हुई हैं। चोरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मदरसे में 8 वर्षीय मासूम से दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

महाराजगंज । आठ वर्षीय मासूम से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बुजुर्ग ने वारदात को बंद पड़े मदरसे में अंजाम दिया। बच्ची को खून से लथपथ देखकर आरोपी फरार हो गया। बच्ची रोती–बिलखती घर पहुंची और मामले की जानकारी दी। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पर पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामला सोनौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। यहां की 8 वर्षीय बच्ची घर से रुपए लेकर दुकान पर सामान खरीदने जा रही थी। रास्ते में गांव के ही बुजुर्ग ने बच्ची को 20 रुपए दिए। इसके बाद बच्ची को बहला फुसलाकर बंद पड़े मदरसे में ले गया। वहां एक कमरे में मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। बच्ची की हालत बिगड़ी तो आरोपी गांव छोड़कर फरार हो गया। खून से लथपथ बच्ची रोते–बिलखते घर पहुंची और परिजनों को जानकारी दी। सूचना पर सीओ नौतनवा समेत पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।पुलिस ने मासूम को मेडिकल के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद केस दर्ज कर लिया। सीओ अनुज

कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस की तैनाती की गई है।

मजदूर की पीट–पीटकर हत्या, खेत में फेंका शव, जांच में जुटी पुलिस

हरदोई । जिले में माधौगंज थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव के मजदूर की सोमवार रात पीट–पीटकर हत्या कर शव मक्के के खेत के किनारे फेंक दिया गया। उसके गले में रस्सी व सिर आदि जगहों पर चोट के निशान थे। एसपी राजेश द्विवेदी ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। पुलिस ने पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। वही पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है ।

नदी में उतराता मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

इटावा । जिले के चौबिया थाना क्षेत्र के करीं गांव में ग्रामीणों ने एक युवक का शव पुरा नदी में उतराता देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला और उसकी शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच में जुट गई है। जनपद मैनपुरी के किशनी थाना क्षेत्र के बसैत गांव निवासी बब्लू बाथम (23) पुत्र स्वर्गीय शोभराम बाथम सोमवार को अपने ताऊ के निषदभान के पुत्र संजू के साथ जसवंत नगर आथा था। मंगलवार को बल्लू के गांव में भंडारा था, जिसके लिए वह भाई के साथ जसवंतनगर एक कोल्ड स्टोर से आलू लेने आया था। आलू लेने के बाद बब्लू ने संजू से घर आलू देकर घर भेज दिया और खुद कही चला गया। सोमवार रात तक बल्लू घर नही पहुंचा तो परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नही चला। मंगलवार सुबह परिजनों को पुलिस ने सूचना दी। परिजनों में रोना पीटना मच गया। मृतक दो भाइयों में बड़ा था और पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। मृतक की शादी नहीं हुई थी। चौबिया थाना प्रभारी जेपी सिंह ने बताया कि मामले में हत्या, आत्महत्या या हादसे, पुलिस तीनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया मामला हादसे का लग रहा है। मृतक

के परिजनों ने पुलिस को बताया है कि वह शराब का लती था। पुलिस के अनुसार, शव नदी में जिस जगह मिला है, उसके ठीक ऊपर पुल पर पांच किलो आलू का पैकट, एक पव्वे की खाली शीशी मिला है। अंदेशा है की वह पुल पर बैठ कर शराब पी रहा होगा और नशे में नदी में गिर गया। इसके साथ ही नदी में पानी भी बहुत कम था, लेकिन नशे में होने के कारण वह उठ नही पाया होगा। इस कारण उसकी मौत हो गई।

जननायक कर्पूरी सेना के सानिध्य में मंदिर गेट का किया गया भव्य उद्घाटन

कानपुर देहात । जननायक कर्पूरी सेना के संरक्षक मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ के न्यायमूर्ति डॉक्टर आई एम कुद्दूसी एवं श्याम नारायण सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख जननायक कर्पूरी सेना के सानिध्य में कानपुर नगर से कानपुर देहात होते हुए कालपी जिला जालौन तक का भृमण कार्यक्रम रहा, जिसमे कालपी जिला जालौन स्थित शरीफ दरगाह में चादर चढ़ाई गई, जिसके तदोपरान्त व्यास मंदिर में जिला कार्यकर्ताओ को सम्बोधित किया जिसके बाद हरीधाम चौन का पुरवा कालिंद्री तट भोगनीपुर कानपुर देहात में सिद्धपीठ शक्तिपीठ चौन का पुरवा काली माता मंदिर में गेट का भव्य उद्घाटन फीता काटकर किया गया। क्षेत्रीय ग्रामीण व भक्तों ने जोरशोर से स्वागत सम्मान किया कार्यक्रम में न्यायमुर्ति डॉक्टर आई एम कुद्दुसी,राष्ट्रीय प्रमुख श्यामनारायण सिंह,अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत जी,एवं सीबीसीआईडी के मंडलायुक्त मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वही कार्यक्रम के समापन के वक्त सभी पत्रकार साथियों को सम्मानित भी किया गया जिसमें से प्रमुख रूप से शोभित पांडेय पत्रकार, विनय प्रकाश मिश्रा (योगाचार्य) वरिष्ठ पत्रकार, दीपक श्रीवास्तव

पत्रकार, अंकित तिवारी पत्रकार, साहिल कुमार पत्रकार, शिवाकांत द्विवेदी पत्रकार, शिवम पत्रकार, आदि पत्रकारों को अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत व राष्ट्रीय अध्यक्ष, संरक्षक ने स्वयं अपने कर कमलों द्वारा ससम्मानित किया ।

कबाड़ के गोदाम में मिला चार दिन से लापता अधेड़ का शव

फर्रुखाबाद । जिले में मोहल्ला पक्का पुल गुदड़ी निवासी पप्पू चौधरी (45) कबाड़ बीनने का काम करता था। वह पिछले चार दिन से लापता था। मंगलवार सुबह मोहल्ला गढ़ी कोहना निवासी कल्लू कबाड़ी की दूसरी मंजिल पर बने गोदाम से बदबू आने पर वह ऊपर देखने गए तो वहां पप्पू चौधरी का शव पड़ा था। शव कई दिन पुराना होने से बदबू आ रही थी। सूचना पर पुलिस व परिजन मौके पर पहुंचे। बताया गया कि पप्पू शराब

पीने का आदी था। वह नशे में ऊपर चढ़ गया होगा। गोदाम बंद होने से वह बाहर नहीं निकल सका और उसकी मौत हो गई।

शांतिपूर्ण ढंग से मनाया मुहर्रम पर्व, शहादत को किया याद

श्रावस्ती । जमुनहा अंतर्गत मोहर्रम का त्यौहार शांति पूर्वक मनाया गया इमाम हसन हुसैन की शहादत को लेकर गांव गांव चौराहे चौराहे ताजी रखकर जुलूस निकाला गया मरसिया नोहा खानी करके इमाम हुसैन की शहादत को याद किया गया विगत 2 वर्षों से मोहर्रम का त्यौहार कोरोना कॉल के चलते नहीं मनाया गया था इस बार शांतिपूर्वक मोहर्रम का त्यौहार मनाया गया ।

ताजिया को लेकर अपने घर से करवले पर ले जाकर दफनाया गया इस बार पुलिस की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त दिखी जगह–जगह पीएसी के जवान

तैनात रहे जमुनहा कर्बला पर जमुनहा फतेहपुर बनगई कानीबोझी प्रतापपुर खावा कला लालबोझा भवनियापुर काशीराम पुरवा आदि तमाम गांव से ताजिया लाकर दफनाया गया।